IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 6, May 2024

चितौड़गढ जिले में सरस डेयरी का विकास

डॉ. संध्या पठानिया
आचार्य, भूगोल विभाग
राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय,
उदयपुर (राज.)

सोहनलाल अहीर
शोधार्थी, भुगोल विभाग
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय,
उदयपुर (राज.)

सारांश : दुग्ध प्राचीनकाल से ही, जब से मानव सभ्यता पनपी है, तभी से यह मनुष्य के काम आ रहा है। दूध के उत्पाद मक्खन का उल्लेख महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण के समकालीन मिलता है। भारत का दुग्ध उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान है, जिसका श्रेय डॉ. वर्गीज कुरियन को जाता हैं, जिन्होंने श्वेत क्रान्ति की शुरूआत **1970** ई. में हुई। राजस्थान का दुग्ध उत्पादन में देश में दूसरा स्थान हैं। राजस्थान में डेयरी उद्योग का प्रारम्भ **1971** में हुआ है। राजस्थान में "राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन **[RCDF]** की स्थापना हुई। सरस डेयरी चितौड़गढ की स्थापना चितौड़गढ-प्रतापगढ़ दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. का पंजीकरण **10** जून **2008** को राजस्थान कॉपरेटिव सोसायटी एक्ट **1965** के अन्तर्गत हुई।

प्रस्तुत शोधपत्र में आवश्यक सूचनाओं का संकलन प्राथमिक एवं द्वितीयक स्तर पर किया गया। इसमें यह परिकल्पना की गई कि चित्तौड़गढ़ जिले में सरस डेयरी के विकास से दुग्ध उत्पादकों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। इस शोध पत्र में आवश्यकतानुसार सांख्यिकीय विधियों, आरेखों एवं मानचित्रों का प्रयोग किया गया है। सर्वप्रथम चित्तौड़गढ़ जिले की सन् **1991-2021** तक की दुग्ध उत्पादन की स्थिति के बारे में बताया गया है, जिसमें निरन्तर वृद्धि हुई है। इसमें सरस डेयरी की वितरण प्रणाली, बीएमसी की संख्या, संघ के सदस्यों की संख्या तथा डीसीएस की संख्या के बारे में भी बताया गया हैं जिले की दुग्ध की भण्डारण क्षमता का तहसील अनुसार वितरण एवं उस क्षमता का उपयोग करने की दृष्टि से भी वितरण को दर्शाया गया है। संघ द्वारा संचालित प्रोत्साहन हेतु विभिन्न योजनाओं एवं संघ द्वारा बनाये जाने वाले विभिन्न दूग्ध उत्पादों का भी वर्णन किया गया है। परिकल्पना परीक्षण के अनुसार सरस डेयरी से जुड़ने से पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। इस शोध पत्र के निम्न सुझाव है - संघ से सभी पशु पालकों को जोड़ना, गोबर का व्यवसायिक दृष्टि से प्रयोग करना व दूध की कीमतों में बढ़ोतरी करना आदि है।

संकेताक्षर : सरस डेयरी, श्वेत क्रांति, बीएमसी, पशुपालक, दुग्ध उत्पादक

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-18596